No. of Printed Pages : 7 **BPYE–141**

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY

(BAG)

Term-End Examination

December, 2025

BPYE-141 : METAPHYSICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Write an essay on the problem of 'Free Will'. 20

Or

Discuss in detail the criterion and nature of reality in Advaita Vedānta and Nyāya-Vaiśesika Philosophy.

2. Define causation. Discuss in detail Hume's critique of causation. 20

Or

How is the concept of 'Being' understood in Ancient and Modern Philosophy ? Explain.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Discuss the problem of Universal and Particular in Nyāya Philosophy. 10

   (b) Explain the nature and limits of Freedom. 10

   (c) Discuss Thomas Aquinas' concept of 'First Cause'. 10

   (d) What postulates are common to Metaphysics and Science ? Explain. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Write a note on the Union of Substance and Accidents. 5

(b) Explain the idea of Individuation in Aristotle's Philosophy. 5

(c) Describe matter and form in Aquinas' Metaphysics. 5

(d) Write a note on Martin Buber's concept of human person. 5

(e) Write a note on Pratityasmutpāda. 5

(f) Briefly discuss the Buddhist criterion of Reality. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Method of Deduction 4

(b) Asatkāryavāda 4

(c) Entity as Supposit 4

(d) Formal Cause 4

(e) Dialectic Method 4

(f) Spinoza's Law of Causation 4

(g) Appearance and Reality 4

(h) Mimāṁsā of Universal and Particular Idea 4

BPYE–141

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.पी.वाई.ई.-141 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. 'संकल्प स्वातंत्र्य' की समस्या पर एक निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

अद्वैत वेदान्त एवं न्याय-वैशेषिक दर्शन में सत् की कसौटी/मापदण्ड और प्रकृति की विस्तृत चर्चा कीजिए।

2. कारणता को परिभाषित कीजिए। ह्यूम द्वारा की गयी कारणता की आलोचना की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

अथवा

प्राचीन और आधुनिक दर्शन में 'सत्' की अवधारणा को कैसे समझा गया है ? व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) न्याय दर्शन में सामान्य और विशेष की समस्या की चर्चा कीजिए। 10

(ख) स्वतंत्रता की प्रकृति और सीमाओं की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) थॉमस एक्विनास के 'प्रथम कारण' की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 10

(घ) तत्त्वमीमांसा और विज्ञान में कौन-सी अभिधारणाएँ उभयनिष्ठ हैं ? व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150–150 शब्दों में दीजिए :

(क) द्रव्य और आकस्मिक पदार्थ (accident) के संयोजन पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

(ख) अरस्तू के दर्शन में वैयक्तिकरण के विचार की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) एक्विनास की तत्त्वमीमांसा में पदार्थ (matter) एवं आकार (form) का वर्णन कीजिए। 5

(घ) मार्टिन बूबर की मानव व्यक्ति की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ङ) प्रतीत्यसमुत्पाद पर टिप्पणी लिखिए। 5

(च) बौद्ध मत के अनुसार सत् के मापदण्ड की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच पर** लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) निगमन पद्धति 4

(ख) असत्कार्यवाद 4

(ग) कल्पित के रूप में पदार्थ (entity as supposit) 4

(घ) आकारिक कारण (formal cause) 4

(ङ) द्वंद्वात्मक पद्धति 4

(च) स्पिनोजा का कारणता नियम 4

(छ) आभास और सत् 4

(ज) मीमांसा दर्शन में सामान्य और विशेष का विचार 4

× × × × ×